भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

अमर उजाला

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 28.03.2019

शहर की धार्मिक महत्ता से रूबरू कराएगा आईआईटी बीएचयू

प्रोजेक्ट वाराणसी की मदद से बनेगा ऐप, पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। शहर की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता को दुनिया से रूबरू कराने के लिए आईआईटी बीएचयू में बुधवार को देश-विदेश से आए शिक्षाविदों ने मंथन किया। प्रोजेक्ट वाराणसी और आईआईटी खड़गपुर के प्रोजेक्ट संधी-एक विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में चली कार्यशाला में शहर के धार्मिक पर्यटन स्थल, परिवहन और पर्यटन विषय पर चर्चा कर नई दिशा देने का निर्णय लिया गया। इसके लिए अगले महीने संस्थान से विशेषज्ञों की टीम यूएसए स्थित जार्जिया विश्वविद्यालय में आयोजित वर्कशाप में शिरकत करेगी, जहां विकसित शहरों का रोल मॉडल तैयार कर वाराणसी में विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

संस्थान में चल रहे प्रोजेक्ट वाराणसी के समन्वयक और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आरएस सिंह ने बताया कि आईआईटी बीएचयू, खड़गपुर के संयुक्त तत्वावधान में अटलांटा, यूएसए के जार्जिया टेक विश्वविद्यालय के सहयोग से विशेषज्ञों ने शहर का भ्रमण किया। उन्होंने बताया कि वाराणसी के पर्यटन को विकसित करने के लिए एक ऐप और ब्रोशर तैयार किया जा रहा है, इसके अंतर्गत हेरिटेज वॉक, काशी की महत्ता बताते भवन, पुराने वास्तु शिल्प के आधार पर बने भवनों, लुप्त होते पौराणिक मंदिरों का इतिहास, पंचक्रोशी यात्रा, मान महल घाट स्थित वेधशाला की जानकारी नए तरीके से पेश की जाएगी। कार्यशाला में डॉ. अंकित गुप्ता, डॉ. अमृता द्विवेदी, डॉ. स्वस्ति मिश्रा और डॉ. अभिषेक मुद्गल, आईआईटी खड़गपुर से प्रोजेक्ट संधी के समन्वयक प्रो. जॉय सेन, प्रो. भार्गव मैत्रा, डॉ. एके गोस्वामी, डॉ. साकेत पॉल और जार्जिया टेक विश्वविद्यालय से प्रो. सुब्रोजित गुहाठाकुरता और प्रो. शिवा कुमार आदि उपस्थित रहे।

आईआईटी बीएचयू में बनी हॉपर, सेग्रीगेटर मशीन

आईआईटी (बीएचयू) स्थित स्कूल ऑफ बॉयोकेमिकल इंजीनियरिंग में युवा वैज्ञानिक अवार्ड विजेता असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विशाल मिश्रा ने छात्रों के साथ मिलकर कृषि और औषधि क्षेत्र में योगदान देने के लिए नई विधि की हॉपर और सेग्रीगेटर मशीन बनाई है। इस मशीन से दवाओं में सही अनुपात के मिश्रण की जानकारी मिल सकेगी। अनाजों के मिश्रण या उन्हें सही अनुपात में अलग करने में देश के किसानों को भी बेहद सस्ती सुविधा भी मिलेगी। अब संस्थान की ओर से दोनों मशीनों के पेटेंट कराने की तैयारी भी चल रही है।